खबर संक्षेप

कृषि विज्ञान केन्द्र में मनाया गया राष्ट्रीय मछुआ दिवस

मण्डला। कृषि विज्ञान केन्द्र मण्डला में मछुआ दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें जिले के सहकारी समितियों, समूहों, व्यक्तियों द्वारा हिस्सा लिया गया। प्रत्येक वर्ष दस जुलाई को भारत में राष्ट्रीय मत्स्य किसान दिवस मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने का उदेश्य देश में मत्स्य पालकों, मछुआरों और मछली पालन से जुड़े अन्य हितधारकों को शासन द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में अवगत कराना एवं तकनीकी जानकारी प्रदान करना है। मत्स्य किसान दिवस का इतिहास देश में पहली बार दस जुलाई 1957 को प्रो. डॉ. हीरा लाल चौधरी और उनके सहयोगी डॉ. अलीकुन्ही ने उड़ीसा के अंगुल में भारतीय मेजरकार्प के सफल प्रेरित प्रजनन में कार्प पिट्यूटरी हार्मोन को निकालने में सफलता हासिल की थी। प्रो. चौधरी और डॉ. अलीकुन्ही के इस महत्वपूर्ण योगदान की याद में हर साल भारत में राष्ट्रीय मछुआ दिवस का आयोजन किया जाता है। मछुआ दिवस के अवसर पर कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों के द्वारा कृषि के क्षेत्र में विभिन्न नवीन तकनीकी की जानकारी विस्तृत रूप से प्रदाय की गई। विभागीय अधिकारियों द्वारा भी मत्स्य पालन की नवीन तकनीकी के माध्यम से मत्स्य पालन कर उत्पादकता एवं उत्पादन बढ़ाने के विषय में मत्स्य किसानों को जानकारी से अवगत कराया गया। इस अवसर पर झालपानी के समिति अध्यक्ष एवं सदस्य मत्स्योद्योग सहकारी समिति मवईझर के अध्यक्ष एवं सदस्य एवं राजराजेश्वरी मत्स्योद्योग सहकारी समिति किलाघाट मण्डला के अध्यक्ष सहित समितियों एवं समूहों के सदस्य उपस्थित रहे।

80 फीसदी निर्माण सामग्री का उपयोग सिर्फ हो रहा कागजों पर

आर.ई.एस निर्माण एजेंसी पर गंभीर आरोप

*** ठेकेदारों के साथ मिलकर अधिकारी लगा रहे शासन को चूना।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

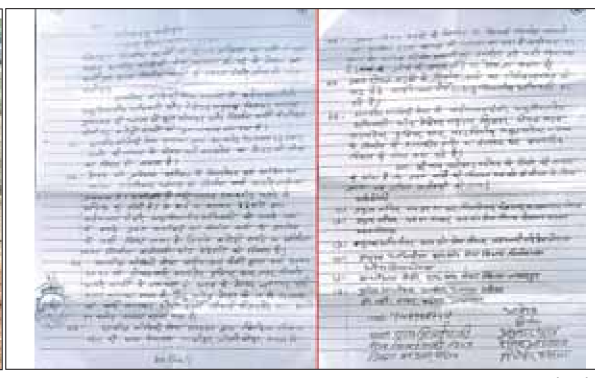

बहुत ही प्रसिद्ध कहावत है कि "जब बाड़ ही खेत को खाने लग जाये तो फिर भला क्या बचेगा" कहावत का आशय है कि जिसके भरोसे आप रक्षा की जिम्मेदारी दे रहे हैं यदि वही आपका भक्षण करने लग जाये तो फिर आपको कौन बचा सकता है और यही इन दिनों जिले की प्रशासनिक व्यवस्था में चरितार्थ होता दिखाई दे रहा है।

शासन द्वारा निर्माण एजेंसियों एवं उनमें पदस्थ अधिकारियों को इसीलिये लाखों रूपये माह का वेतन दिया जाता है कि वे शासन के प्रति जबावदेह रहते हुये ईमानदारी से निर्माण कार्य में गुणवत्ता का ध्यान रखते हुये लोकहित काम करें। लेकिन हो यह रहा है कि कार्य की गुणवत्ता परखने की जिम्मेदारी जिसकी है वह पैसे कमाने के फेर में अपनी आंख बंद कर उन ठेकेदारों का सहयोग कर रहा है जो पूरी तरह से शासन को चूना लगाने में लगे हुये हैं।

ग्रामीण यांत्रिकीय सेवा पर जिम्मेदारी है कि वे ग्रामीण क्षेत्रों में हो रहे निर्माण कार्यो की तकनीक एवं गुणवत्ता का ध्यान रखें। जिस प्रांक्कलन के आधार पर कार्य स्वीकृत हुआ है जिस स्तर की निर्माण सामग्री उपयोग की जानी है और जिस तकनीक से निर्माण कार्य संपन्न होना है उसी आधार पर काम हो रहा है अथवा नहीं इसकी पूरी जांच करें और कहीं यदि गफलत हो रही है तो उसके विरूद्ध काम करें ताकि शासन के पैसों का सदुपयोग हो सके और निर्माण कार्य वर्षो-बरस लोगों के लिये हितकारी हो। लेकिन ऐसा हो नहीं रहा।

हाल ही में मीडिया जगत से जुड़े एक पत्रकार द्वारा जिला कलेक्टर को इस आशय का पत्र सौंपा गया जिसमें ग्रामीण यांत्रिकीय सेवा के अधिकारियों की अनदेखी या मिलीभगत के चलते जहां ठेकेदारों को करोड़ों का लाभ हुआ तो वहीं निर्माण कार्यो की गुणवत्ता से समझौता किया गया और इस तरह लगभग विभाग ने लगभग 10 करोड़ रूपये का चूना शासन को लगाया जिसका लाभ निश्चित रूप से विभाग के अधिकारियों को भी मिला होगा।

पत्र में यह उल्लेखित किया गया है कि विभाग के द्वारा जिन कार्यो का टेण्डर जारी किया गया वे निर्माण कार्य उन शर्तो के आधार पर नहीं हो रहे जो टेण्डर में दर्शायी गई हैं न ही उन मशीनों का उपयोग किया जा रहा है जो निर्माण कार्य के लिये आवश्यक बताई गई हैं यहां तक कि इन निर्माण कार्यो में जितनी मात्रा निर्माण सामग्री का उपयोग किया जाना था उसमें से 80 फीसदी निर्माण सामग्री का उपयोग सिर्फ और सिर्फ कागजों में ही किया गया जबकि निर्माण स्थल की जांच कर देखा जा सकता है कि न तो निर्माण सामग्री उपयोग की गई है और न ही शर्त के अनुसार ग्रेवल सड़कों की मोटाई एवं लम्बाई नजर आ रही है। कहने का आशय कि कागजों में तो निर्माण कार्य कुछ और ही दर्शा रहा है जबकि निर्माण स्थल पर स्थिति इसके ठीक उलट है।

आर.ई.एस. विभाग के उपयंत्री हों या फिर अनुविभागीय अधिकारी ये पूरी तरह ठेकेदारों का सहयोग करते नजर आ रहे हैं यही कारण है कि कभी-कभार ही इन्हें निर्माण स्थल में देखा जाता है और तो कार्य का मूल्यांकन घर बैठे ही जैसा ठेकेदार बताते हैं उस तरह कर दिया जाता है।

जिला कलेक्टर को सौंपे गये पत्र में ऐसे दर्जनों निर्माण कार्यो की जानकारी मय आंकड़ों के दी गई है जिन निर्माण कार्यो में ग्रेवल मार्ग, स्टापडेम निर्माण तथा तालाब निर्माण शामिल हैं इन निर्माण कार्यो में करोड़ों के हेर-फेर की पुख्ता जानकारी बताते हुये यह निवेदन किया गया है कि गंभीरता से इन सभी निर्माण कार्यो की जांच कराई जाये और इनसे संबंधित दस्तावेजों का अध्ययन किया जाये तो स्वमेव यह स्पष्ट हो जायेगा कि क्यों पिछले कुछ वर्षो में ग्रेवल बनते ही कैसें कुछ माह में जर्जर हो जाते हैं, कैसें तालाब बनते ही पहली ही बरसात में दम तोड़ जाते हैं, कैसें स्टापडेम अनुपयोगी साबित हो रहे हैं, कैसें पुलिया थोड़े ही समय बाद धराशायी हो जाती है, कैसें पुलियों की एप्रोज सड़कें खोखली होकर धंस जाती हैं।

उक्त पत्रकार की शिकायत पर यदि गंभीरता से जांच होती है तो निश्चित रूप से इन सभी कारणों का पता न केवल प्रशासन को बल्कि जनता को भी स्पष्ट हो सकेगा।

निर्माण कार्यो की सूची.................................

बिछिया विकास खंड की ग्राम पंचायत माझीडर, जोगीसोंढ़ा सरहद से खूती के घर तक ग्रेवल मार्ग, 34 लाख 99 हजार, पम्प हाउस से बर्राटोला ग्रेवल मार्ग 29 लाख 54 हजार, मुवालासानी से कटंगी ग्रेवल मार्ग (उमरवाड़ा) 51 लाख 21 हजार, चंदिया से कटंगाटोला ग्रेवल मार्ग (खटोला) 29 लाख 58 हजार, खटोला से भिलवानी ग्रेवल मार्ग (भिलवानी) 46 लाख 38 हजार, डीलवारा से बर्राटोला ग्रेवल मार्ग (डीलवारा) 29 लाख 97 हजार, लफरा से सुरपन नदी ग्रेवल मार्ग (लफरा) 29 लाख 43 हजार, जोगीसोढ़ा से खटोला तक ग्रेवल मार्ग (जोगीसोढ़ा) 37 लाख 69 हजार, सूरपाटी से डुंगरिया ग्रेवल मार्ग (डुंगरिया) 46 लाख 56 हजार, चटुआखार में सुखाड़ानाला से सुद्धू गौड़ के घर तक ग्रेवल मार्ग (चौरंगा) 45 लाख 80 हजार, ग्राम नयाटोला में ददलू के घर मेनरोड से जेजम नाला तक ग्रेवल मार्ग 35 लाख 47 हजार, घोंट पहुँच मार्ग निर्माण (घोंट) 52 लाख 32 हजार, कोहाटोला से औरई ग्रेवल मार्ग (औरई) 64 लाख 75 हजार, स्टापडेम झोड़ीनाला 33 लाख 92 हजार, स्टापडेम भड़ंगानाला (नेवसाबहेरा) 33 लाख 75 हजार, ग्राम सिझौरा के बड़ेटोला नाला बरखेड़ा पुलिया निर्माण 29 लाख, मल्टीपरपस सेन्टर निर्माण मनोहरपुर 60 लाख की लागत से बनाये जा रहे हैं।

प्रसव उपरान्त ही अब मिलेगा जन्म प्रमाण पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

भारत के महारजिस्ट्रार जन्म एवं मृत्यु पंजीयन भारत सरकार, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली के निर्देशानुसार शासकीय चिकित्सालयों में प्रसव उपरान्त माँ को छुट्टी देने से पहले जन्म प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया है। जन्म एवं मृत्यु रजिस्ट्रीकरण (आरबीडी) अधिनियम, 1969 (2023 में संशोधित) की धारा 12 के अनुसार रजिस्ट्रार द्वारा जन्म का पंजीकरण पूरा होते ही, किन्तु सात दिन के भीतर, धारा 8 या धारा 9 के तहत सूचना देने वाले सूचनादाता को इलेक्ट्रॉनिक या अन्य तरीके से जन्म प्रमाण पत्र देगा। भारत के महारजिस्ट्रार द्वारा पंजीकरण प्रक्रिया को सुगम और उपयोगकर्ता के अनुकूल बनाने के लिए नागरिक पंजीकरण प्रणाली में सुधार करते हुए रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1969 में संशोधन कर जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रीकरण (संशोधन) विधेयक, 2023 लागू किया गया राज्य जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण नियमों में संगत संशोधन कर एक नए केंद्रीय सीआरएस पोर्टल का विकास किया है। जन्म प्रमाण पत्र के बढ़ते महत्व को देखते हुए, यह समय की मांग है कि यह प्रमाण पत्र नवजात शिशु की माँ को अस्पताल से छुट्टी मिलने से पहले ही दे दिया जाए, खासकर सरकारी अस्पतालों द्वारा जहां कुल संस्थागत जन्मों में से 50 प्रतिशत से अधिक प्रसव होते हैं।

देश भर में सभी सरकारी अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसीएस) प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसीएस) को पंजीकरण इकाइयों के रूप में नामित किया गया है। ऐसी पंजीयन इकाइयों के रजिस्ट्रारों को जन्म प्रमाण पत्र तत्काल जारी करने के महत्व के बारे में जागरूक किये जाने के निर्देश प्राप्त हैं क्योंकि वर्तमान में जन्म प्रमाण पत्र की उपयोगिता कई गुना बढ़ गई है। इसलिए शासकीय चिकित्सालयों के रजिस्ट्रारों को प्रोत्साहित करने, उनके मनोबल बढ़ाने एवं प्रचार-प्रसार करने के साथ ही प्रोत्साहित होकर शासकीय अस्पताल में जन्म लेने वाले प्रत्येक नवजात शिशु का जन्म प्रमाण पत्र बनाकर माँ को अस्पताल से छुट्टी देने के पूर्व उसके हाथ में शिशु का जन्म प्रमाण पत्र उपलब्ध करायें। इससे जिले में एक अच्छा वातावरण संबंधित रजिस्ट्रारों के प्रति निर्मित होगा और लोग स्वयं आगे आकर जन्म प्रमाण पत्र की उपयोगिता एवं महत्ता को देखते हुए प्रमाण पत्र बनवाने के लिए प्रेरित होंगे, साथ ही अधिकारियों के प्रति भी सदभावना पैदा होगी।

समस्त शासकीय चिकित्सालयों के रजिस्ट्रार प्रत्येक संस्थागत प्रकरणों में प्रसव उपरान्त माँ को छुट्टी देने के पूर्व ही उसके नवजात शिशु का जन्म प्रमाण पत्र उनके हाथ में सौंपकर ही छुट्टी दें। चूँकि वर्तमान में सुरक्षित प्रसव को बढ़ावा देने के लिए कुल जन्म का लगभग 50 प्रतिशत से अधिक प्रसव शासकीय चिकित्सालयों में हो रहे हैं इनका शत-प्रतिशत पंजीकरण कर प्रमाण पत्र जारी किये जायें। इसके अलावा सूचनादाताओं को भी 7 दिवस के भीतर इलेक्ट्रॉनिक, व्हाट्सऐप, ईमेल, डाक एवं एएनएम, एमपीडब्ल्यू, आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के माध्यम से भी जन्म प्रमाण पत्र उपलब्ध करवाए जाएं।

पदमी गुरू आश्रम में रही शिष्यों की भीड़

मण्डला। गुरूवार को गुरू पूर्णिमा के अवसर पर देर रात तक आयोजन चलते रहे। इसी कड़ी में पदमी चौराहा में गुरू आश्रम में बड़ी संख्या में यहां पं. संतोष शास्त्री पदमी वाले के दर्शनों के लिए उनके शिष्य पहुंचे थे। शास्त्री जी ने बताया कि गुरू पूर्णिमा के अवसर पर प्रतिवर्षानुसार यहां व्यास पूजन का आयोजन किया गया था इसी के साथ एक दिन पहले से श्रीराम चरित मानस पाठ का आयोजन किया गया था जिसका समापन गुरूवार को किया गया, पूजन अर्चन, हवन का आयोजन किया गया जिसके बाद भण्डारा प्रसाद का वितरण किया गया।

मत्स्यपालक कृषकों का दल शैक्षणिक भ्रमण पर रवाना, कलेक्टर ने दिखाई हरी झंडी

मण्डला। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत प्रगतिशील मत्स्यपालक किसानों का दल शैक्षणिक भ्रमण पर रवाना किया गया। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने कलेक्ट्रेट परिसर में वाहन को हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री राजेन्द्र कुमार सिंह, श्री अरविंद सिंह सहित मत्स्य विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। सहायक संचालक मत्स्योद्योग ने बताया कि मत्स्यपालक कृषकों का प्रशिक्षण सह एक्सपोजर विजिट कराया जा रहा है। इस शैक्षणिक भ्रमण में मंडला जिले के 43 तथा डिंडौरी जिले के 10 कुल 53 प्रगतिशील मत्स्यपालक कृषक भाग ले रहे हैं।

मंडला के एनएच-30 पर कार और ट्राला की टक्कर

*** व्यवसायी की पत्नी की मौत, पति-बेटा घायल; ट्राला ड्राइवर रायपुर रोड से गिरफ्तार।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

नेशनल हाईवे 30 पर जबलपुर की ओर जा रही टोयटा कार को सामने से आ रहे ट्राला ने टक्कर मार दी। हादसे में 1 महिला की मौत हो गई, वहीं दो अन्य लोग घायल हो गए। घटना शुक्रवार दोपहर 2 बजे की है। कोतवाली थाना क्षेत्र के तिंदनी में टाटा मोटर्स शोरूम के पास हुई इस टक्कर में कार पलट गई और बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। कार में प्रतिष्ठित व्यापारी, राजुल होंडा के संचालक राकेश चिंटू अग्रवाल अपने परिवार के साथ सवार थे। हादसे में राकेश चिंटू अग्रवाल की पत्नी ऋतु अग्रवाल की मौके पर ही मौत हो गई। वे और उनका बेटा राहुल गंभीर रूप से घायल हुए हैं। स्थानीय लोगों ने घायलों को तुरंत कटरा अस्पताल में भर्ती कराया। वहां उनका इलाज चल रहा है। हादसे के बाद ड्राइवर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने उसे रायपुर रोड से पकड़ लिया और गिरफ्तार कर लिया है। मामले की जांच जारी है।

विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर विशेष जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

मण्डला। केंद्रीय संचार ब्यूरो, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार, क्षेत्रीय कार्यालय मंडला द्वारा एवं युवा भारत माय भारत खेल एवं युवा मंत्रालय भारत सरकार मण्डला के संयुक्त तत्वाधान में पीएम श्री कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय महाराजपुर में विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर विशेष जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रीमती विभा मिश्रा, प्राचार्या, रविंद्र कुमार चौरसिया वरिष्ठ शिक्षक, रघुनंदन झरिया लेखा एवं कार्यक्रम अधिकारी माय भारत मंडला, सतीश मिश्रा शिक्षक, आशीम गौतम शिक्षक, श्रीमती उषा ठाकुर शिक्षिका एवं विद्यालय की समस्त शिक्षक, शिक्षिकाएं व छात्राएँ उपस्थित थे। कार्यक्रम का आयोजक केंद्रीय संचार ब्यूरो के प्रचार अधिकारी श्रवण कुमार साहू ने मंच का संचालन करते हुए विश्व के बढ़ते जनसंख्या पर प्रकाश डालते हुए विभिन्न जानकारी दी। उपस्थित अतिथियों द्वारा छात्रों को इस विषय पर अनेक उदाहरण देते हुए महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। छात्रों के बीच प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें सही जवाब देने वाले प्रतिभागियों को विभाग की तरफ से पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

अनदेखी | **सूचना के अधिकार के तहत शिक्षा विभाग दे रहा गोलमोल जबाव।**

विद्यालय बंद, भवन खाली—जिम्मेदार कौन?

*** दो पत्रों में अलग-अलग दिये जबाव।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

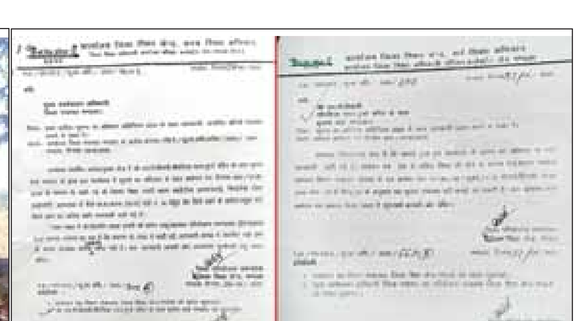

शहर के कुछ शासकीय शिक्षा गारंटी विद्यालय वर्षों से बंद पड़े हैं और उनके भवनों की स्थिति जर्जर होती जा रही है। वहीं इन भवनों पर अवैध कब्जे की आशंका भी तेज़ हो गई है। इसके संबंध में एक जागरूक नागरिक द्वारा सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के अंतर्गत जिला शिक्षा केन्द्र, मण्डला से मांगी गई जानकारी न केवल टाली गई, बल्कि दो बार विरोधाभासी जवाब देकर मामले को गोलमोल करने का प्रयास किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मण्डला के बढ़ईटोला (आमानाला), चिखलैया टोला (बड़ीखैरी), और वार्ड क्रमांक 14 (कटरा) में स्थित शिक्षा गारंटी विद्यालयों को चुपचाप बंद कर दिया गया। इन विद्यालयों के मर्ज या स्थानांतरण संबंधी कोई स्पष्ट आदेश सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं है। जब आवेदक ने आरटीआई के तहत इसकी जानकारी चाही, तो पहले आवेदन को ₹एकाधिक विषय₹ का हवाला देकर अमान्य कर दिया गया। पुनः प्रथम अपील अधिकारी के निर्देश पर जब विभाग को सूचना देने का निर्देश मिला, तब विभाग ने जवाब दिया कि ₹यह जानकारी कार्यालय में संधारित नहीं है।

सवाल उठता है कि यदि ये विद्यालय शिक्षा विभाग के अधीनस्थ थे, तो इन्हें बंद करने, मर्ज करने अथवा अन्य स्कूल में समायोजित करने के आदेश आखिर किसने दिए? यदि जिला शिक्षा केन्द्र के पास ही यह जानकारी नहीं है, तो फिर कौन जिम्मेदार है?

खाली भवन बन रहे खतरा, अवैध कब्जे की आशंका

इन बंद विद्यालयों के भवन वर्तमान में बिना देखरेख के खाली पड़े हैं। क्षेत्रीय नागरिकों का कहना है कि इनमें कई जगह ताले तक नहीं लगे हैं और कोई निगरानी नहीं की जा रही है। इससे असामाजिक तत्वों द्वारा अवैध कब्जे की स्थिति निर्मित हो रही है।

जनहित में जवाबदेही जरूरी

आवेदक ने अपने पत्र में मांग की है कि संबंधित विभाग आदेशों की प्रमाणित प्रतियां उपलब्ध कराए, और भवनों की स्थिति को लेकर स्पष्ट कार्ययोजना सार्वजनिक करे। साथ ही उन अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाए जिन्होंने अधिनियम का पालन न करते हुए सूचना से बचने की कोशिश की।

यह पूरा मामला यह दिखाता है कि सूचना का अधिकार अधिनियम लागू होने के बावजूद शासकीय कार्यालयों में पारदर्शिता और जवाबदेही की स्थिति अभी भी सवालों के घेरे में है।

इनका कहना है कि:-

ग्राम पंचायत खैरी अंतर्गत चिखलैया टोला स्कूल बंद होने से जर्जर होते जा रहा है और कब्जा होने की स्थिति बन रही, अगर यह भवन का उपयोग विभाग नहीं कर रहा तो पंचायत को सौंपे जाने पर इसको सुरक्षित करते हुए, जनहित में उपयोग में लाया जा सकता है।

-सीमा गोटिया/रूपेश बैरागी,
सरपंच/उपसरपंच
ग्राम पंचायत खैरी, जनपद पंचायत मण्डला

गुरुओं का सम्मान हमारी सनातनी परंपरा-प्रफुल्ल मिश्रा

*** भाजपा द्वारा जिले भर में किया गुरुओं का सम्मान।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

भाजपा ने जिले भर में जिला स्तर व मंडल स्तर पर भव्य कार्यक्रम कर ''गुरु पूर्णिमा'' पर गुरुओं का सम्मान किया है। इस अवसर पर पार्टी के जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने अलग-अलग स्थानों पर स्थित मंदिर, आश्रम, मठों समेत प्रमुख धार्मिक स्थानों पर जाकर संत, साधु, महात्माओं और महंतों का आदर सम्मान कर आशीर्वाद लिया। इसी कड़ी में कैबिनेट मंत्री संपतिया उईके, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा, कार्यक्रम प्रभारी नरेश कछवाहा, नगर अध्यक्ष भाजपा शिवा रानू राजपूत गुरुओं व संतो का शॉल श्रीफल से सम्मान किया और उनका आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम भाजपा प्रदेश नेतृत्व के दिशा निर्देश पर आयोजित किया गया।

इन साधु संतों का किया सम्मान

गुरूपूर्णिमा के अवसर पर सर्व प्रथम कार्यक्रम की शुरुआत महर्षि योगी विद्यालय में महर्षि महेश योगी जी को नमन कर किया गया। जहां सरस्वती शिशु मंदिर में गुरूपूजन कर संत रामदास जी महाराज सहस्त्रधारा गोंझी आश्रम, संत श्री शारदात्मानंद रामकृष्ण सेवा आश्रम, संत श्री सच्चिदानंद सुरंगदेवरी, साध्वी मनीषा माता ग्राम सिलपुरा, प्रेमानंद जी महाराज घाघा, संत सच्च्दिनंद नावघाट, कथावाचक ललित मिश्रा साईसेवा आश्रम, संत तुलसीगिरी महाराज अंजनियां, संत संतोष महाराज हिरदेनगर, संत नर्मदागिरी महाराज मानादेही, पंडित श्री अशोक दुबे आश्रम बिनैका रोड, पंडित विजयानंद शास्त्री बम्हनी, पंडित नीलू महाराज अंजनिया, पंडित परणित महाराज, पंडित संतोष शास्त्री पदमी, मुनि नारायण घाघी में जाकर सम्मान पूर्वक शॉल श्रीफल पुष्पमाला से सम्मान करते हुए आर्शीवाद लिया।

वरिष्ठ शिक्षकों का भाजपा ने किया सम्मान

जिला मुख्यालय के महिष्मति घाट में भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों के द्वारा सेवानिवृत शिक्षकों, वरिष्ठ शिक्षकों, राष्ट्रपति व राज्यपाल से पुरस्कृत शिक्षकों का सम्मान किया गया। जहां इस अवसर पर वरिष्ठ सेवानिवृत्त शिक्षक राजेश क्षत्री, राष्ट्रपति पुरस्कृत शिक्षक शक्ति पटेल, अखिलेश उपाध्याय, शैल दुबे, भागवत बैरागी पुष्पमाला शॉल श्रीफल, मिष्ठान से सम्मान किया गया। इस दौरान सेवा निवृत्त राजेश क्षत्री ने कहा कि शिक्षक छात्रों के लिए एक मार्गदर्शक, सुविधाकर्ता और प्रेरणादायक व्यक्ति की भूमिका निभाते हैं। वे न केवल ज्ञान प्रदान करते हैं, बल्कि छात्रों को उनके व्यक्तित्व विकास, समस्या-समाधान कौशल और एक सफल जीवन के लिए आवश्यक अन्य महत्वपूर्ण गुणों को विकसित करने में भी मदद करते हैं।

खबर संक्षेप

यमदूत बन अनियंत्रित गति से दौड़ रहे सिंगल लाईट वाले बड़े वाहनों से बारिश के दिनों में बन सड़क दुर्घटनाओं की आशंका

हरिभूति न्यूज/सालीचौका। दुर्घटना से देर भली यह नारा यातायात व्यवस्था सुचारू रखने वाली पुलिस हमेशा दोहराती रहती है, किन्तु विडम्बना की बात है कि उसकी तरफ से सड़कों पर अनियांत्रित गति से वाहन चलाने पर रोक नही लगायी जाती है, जिसकी जीती जागती मिसाल इन दिनों लांक डाउन के दौरान क्षेत्र की सड़को पर तेज गति से दौड़ने हुये वाहनों में देखने को मिल रही है, जहां पर वर्तमान में क्षेत्र की सड़कों पर दो पाहिया, चार पाहिया वाहन ट्रक व ट्रेक्टर यमदूत बनकर फर्राटे से तेज गति में दौड़ते नजर आ रहे है, हालत यह है कि दोपाहिया वाहन चालक, राहगीर काने वाहनो को टू व्हीलर वाहन समझने की भूल कर बैठते है और जब उन्हे सच पता चलता है तो खैरियत से घर पहुँचने की ईश्वर से प्रार्थना करने लगते है। बताया जाता है कि पुलिस के सामने से भी काने वाहनो के गुजरनें का सिलसिला चलता रहता है पर पुलिस वाहन चालको पर कार्यवाही करने की जगह हरी झंडी दे देती है, जिसका नतीजा है कि ग्राम में सड़क दुर्घटनाओं का अंदेशा लगातार बढ़ता जा रहा है यातायात व्यवस्था में बाधक साबित हो रहे फर्राटे से दौड़ते वाहनों के सम्बंध में हरिभूमि टीम से क्षेत्रवासियों ने चर्चा करते हुए कहा कि गांवो की सड़को पर बिना बैक लाईट वाले वाहनों का दौड़ाया जाना खतरनाक है, सकरे मार्गो पर जब अनियंत्रित गति वाले वाहन चलते है, तो लोंगो का दिल दहल जाता है, पुलिस को जनहित में सड़को पर काने वाहनो के दौड़ाने पर पाबंदी लगानी चाहिए, ग्रामीणों के अनुसार रात में सिंगल लाईट वाले चार पाहिया वाहनों का सड़को पर दौड़ना उचित नही है, इन वाहनो से कभी भी सड़क हादसा हो सकता है, वाहनो की धमा चौकड़ी पर पुलिस को शीघ्र प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए, क्षेत्र के लोगों के मुताबिक हमारे मकान मुख्य सड़क के किनारे बने हुए है, जहां छोटे बच्चे हमेशा खेलते है, बच्चो की नासमझी और निरंकुश वाहन चालको की जुर्रत से कभी भी दुर्घटना हो सकती है, वही क्षेत्र लोगों का कहना है कि शाम के समय अंधेरा होने से इवनिंक बांक पर निकले ग्रामवासी घर लौटते समय चार पाहिया वाहनो की सिंगल लाईट के कारण दोपाहिया वाहन समझ बैठते है और उन्हे बाल बाल बाचते हुए घर लौटने मजबूर होना पड़ता है, लोगों का कहना है कि आर टी ओ एवं पुलिस विभाग को मिलकर काने वाहन चालको के खिलाफ अभियान छेड़ना जरूरी हो गया है अन्यथा कभी भी क्षेत्र में बड़ी सड़क दुर्घटना घटित होना सम्भावित है, अक्सर देखा जाता है कि वाहन चालको को पुलिस का खौफ नहीं रह गया है, इसी का कारण है कि सड़को पर काने वाहन बेरोकटोक दौड़ रहे है, पुलिस द्वारा यादि यातायात व्यवस्था में सुधार अभी नहीं किया गया तो आशंका है कि आने वाले दिनों में जब लॉक डाउन में ढील बरती जावेगी तो बडी घटनाओं को रोक पाना मुश्किल हो जावेगा।

जब शासन द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में इतनी लाभकारी योजनाएं चलाई जा रही है तो फिर आखिर में क्यों नहीं पढ़ना चाहते नेता व अधिकारी अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में

हर व्यक्ति को बेटा बेटी के लिये नौकरी चाहिये सरकारी मगर पढ़ाई निजी स्कूलों में ....?

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। जहां एक ओर शासन द्वारा शासकीय स्कूलों में अध्ययन करने वाले बच्चों को सभी प्रकार की सुविधाएं प्रदान की जा रही है और इसी के चलते सरकार द्वारा बडे ही जोर शोर से हर साल स्कूल चले हम अभियान चलाते हुये शहरो से लेकर ग्रामीण क्षेत्र की शासकीय शिक्षण संस्थाओं में बडे ही धूमधाम से शिक्षा सत्र की शुरूआत की जाती है और उसमें क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों के साथ साथ अधिकारियों खूब भाषण देते हुये शिक्षा के क्षेत्र में सरकार से लेकर शिक्षा विभाग की उपलब्धियाँ गिनाई जाती है। मगर इसके बाद भी इन नेताओं से लेकर अधिकारियों द्वारा अपने बच्चों को इन सरकारी स्कूलों में दाखिला दिलाने में परहेज क्यों किया जाता है...? जबकि देखा जावे तो सरकारी स्कूलों में बच्चों को शिक्षा प्रदान करने वाले शिक्षक कुशल व योग्यतावान होते है जो कठिन परीक्षाओं को पास करने के बाद शिक्षक पद पर नियुक्त किये जाते है। मगर बडे ही हैरत की बात है कि इसके बाद भी इन अधिकारियों से लेकर नेताओं की इन शासकीय संस्थाओं में अपने बच्चों को पढ़ाने को लेकर इन सरकारी स्कूलों से बनाई जाने वाली दूरी निश्चित ही अनेक सबाल खड़े करने से नही चूक पा रही है...? इस सच्चाई के चलते अब सबाल पैदा होता है कि क्या इन शासकीय शालाओं के शिक्षकों पर नेताओं व अधिकारियों द्वारा क्या भरोसा नही रहता है..? आखिर में वह कौन से कारण है जिसके चलते नेताओं व अधिकारियों सहित पैसा वालों के बच्चें इन शासकीय शिक्षण संस्थाओं से दूरी बनाकर रखते है। यह सबाल इस समय नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार खुल रही निजी शिक्षण संस्थाओं में छात्रों की बढ़ती हुई संख्या को देखते हुए अपने आप ही उठ रहे है..। जहां एक ओर सरकार द्वारा सरकारी स्कूलों में बढ़ने वाले बच्चों के लिए सारी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। वही दूसरी ओर उन सुविधाओं का सही क्रियान्वयन कराने के लिए जिन अधिकारी व जनप्रतिनिधियों को नियुक्त करते हुये उनके संचालन की जिम्मेदारी सौपी जाती है और उनके ही बच्चें उन सरकारी स्कूलों की जगह निजी स्कूलों में बढ़ते हुए देखे जा रहे है आखिर ऐसा क्यों? प्रतिवर्ष देखा जाता है कि जब नये शिक्षण सत्र की शुरूआत होती है तो जनप्रतिनिधियों से लेकर अधिकारियों द्वारा प्रवेश उत्सव का आयोजन मनाते हुए जहां शासन की राशि की होली खेलने में कोई कसर नही छोड़ते है। वही दूसरी ओर केन्द्र से लेकर प्रदेश सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में चलाई जा रही योजनाओं को बताते हुए जनप्रतिनधियों द्वारा सरकारी स्कूलों के लिए अच्छा बताते हुए शासन की योजनाओं को छात्र छात्राओं तक पहुंचाने की बात कहते हुए वाही वाली तो लूटी जाती है। मगर वही अधिकारी व नेता अपने बच्चों को आखिर इन सरकारी स्कूलों में पढ़ना क्यों पसंद नही करते है...? इन सरकारी स्कूलों से इन जिम्मेदारों द्वारा अपने बच्चों को पढ़ाने में क्यों परहेज किया जाता है। जिन अधिकारियों व नेताओं द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में शासन की योजनाओं को अच्छा बताते हुए अभिभावकों को अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में प्रवेश दिलाने की सलाह देते हुए देखा जाता है और उन्ही सलाहकारों के बच्चे उस दौरान निजी स्कूलों में प्रवेश लेते हुए देखे जाते है..? यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो सरकारी स्कूलों के संचालन की बागडोर संभालते हुए यह अधिकारी व नेता यह सोच बनाये हुए होते है कि उनके बच्चों को अच्छी सरकारी नौकरी मिल जावे तो उनका भविष्य बन जावे। जिन अधिकारियों द्वारा आम लोगों को शासकीय शिक्षण संस्थाओं में अच्छी पढ़ाई का भरोसा दिलाया जाता है तो फिर वह इन स्कूलों पर विश्वास क्यों नही कर पाते है...? आज के समय में जिस प्रकार अधिकारियों से लेकर नेताओं द्वारा सरकारी स्कूलों से अपने बच्चों की दूरी बनाई जा रही है इसी का परिणाम है कि हमारे देश व प्रदेश में शासकीय स्कूलों का शिक्षा स्तर ऊपर की ओर नही उठ पा रहा है। आज के समय में हालात इस तरह देखने मिल रहे है कि हर छोटे बडे नेता से लेकर अधिकारी व साधन संपन्न पैसा वाला धनपति व्यक्ति यही सोच रखता है कि उनके बच्चों की सरकारी नौकरी लग जावे जिससे उसकी जिन्दगी संभल जावे...? मगर जब वह अपने बच्चों को पढ़ाई में सरकारी स्कूलों से दूर रख रहे है तो फिर सरकारी नौकरी की सोच आखिर में क्यों रखी जा रही है...? यही कारण है कि प्रदेश सरकार द्वारा चलाई ला रही शिक्षा के क्षेत्र में सारी योजनाओं के बाद भी सरकारी स्कूलों के शिक्षा स्तर में सुधार की स्थिति नही बन पा रही है। इस संबंध में आमजन से चर्चा की गई तो उनका कहना है कि यदि सरकार द्वारा नियम बना दिया जावे की जो छात्र किसी सरकारी संस्था से पढ़ाई करके निकलेगा तो उसे सरकारी नौकरी में पहले प्राथमिता दी जावेगी तो अपने आप ही शासकीय शिक्षण संस्थाओं का शिक्षा स्तर सुधरने में देर नही लगेगी। क्योंकि इन सरकारी स्कूलों में नेताओं से लेकर बड़े अधिकारियों द्वारा रूख उसी समय किया जाता है जब कोई कार्यक्रम होता है और उन्हें मालाएं पहनने के लिए बुलाया जाता है इसके उपरांत शायद ही कोई नेता व अधिकारी इन स्कूलों की खबर लेता हो कि आखिर में इन स्कूलों में पढ़ाई किस प्रकार से कराई जा रही है। जबकि गौर किया जावे तो जिन निजी स्कूलों में इन अधिकारियों व नेताओं के बच्चे पढ़ाई करते है उन स्कूलों में हर माह अभिभावकों की मीटिंग होने पर इनके द्वारा अपनी उपस्थित दर्ज कराने से नही चूकते है। क्योंकि उन स्कूलों में इनके बच्चें जो पढ़ रहे होते है। इतना ही नही शिक्षा विभाग से जुडे हुए उन अधिकारियों द्वारा भी अपने बच्चों को इन स्कूलों से पढ़ाने में इतना परहेज किया जाता है जिनके ऊपर उन्ही सरकारी स्कूलों का संचालन की बागढ़ोर होती है और सरकार द्वारा उसके लिए हर माह पैसा भी दिया जाता है और उन्ही के द्वारा भी उन शिक्षण संस्थाओं के शिक्षकों पर भरोसा नही किया जाता है जिनका संचालन करना उनके हाथ में होता है। आमजन की मांग है कि सरकार द्वारा सरकारी कर्मचारियों से लेकर सत्ताधारी पार्टी से जुडे हुये हर नेता के लिये यह अनिवार्य किया जावे कि उन्हें अपने बच्चों को शासकीय शिक्षण संस्थाओं में पढ़ना जरूरी होगा? वही दूसरी ओर जो बच्चें किसी सरकारी संस्था से पढ़ाई करके जब शासन की नौकरी पाने की लाईन में लगे होते है तो उन्हें प्राथकिता देना चाहिये। यदि यह आदेश सरकार द्वारा लागू कर दिया जावे तो निश्चित तौर से सरकारी शिक्षण संस्थाओं की सूरत बदलने में देर नही लगेगी।

चौथे दिवस नर्मदा का जल स्तर कम होने पर चालू हुये सांईखेड़ा झिकोली व तेंदूखेड़ा गाडरवारा मार्ग

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। क्षेत्र में बीते हुये लगभग एक सप्ताह से भी अधिक समय से लगातार हो रही बारिश के चलते जहां संपूर्ण क्षेत्र की स्थिति बदहाल होते हुये दिखाई दे रही थी। वही दूसरी ओर बीते हुये सोमवार मंगलवार की दरम्यानी रात हुई घनघोर बारिश के चलते क्षेत्र के सभी छोटे बडे नदी नाले ऊफान पर होने के चलते लोगों का गाडरवारा से संपर्क टूटने से नही चूक पाया था। वही दूसरी ओर प्रदेश के ऊपरी हिस्सों में हो रही बारिश के चलते जबलपुर के पास नर्मदा नदी में बने हुये बरगी डेम में जल स्तर अधिक होने के चलते जल निकासी के लिये 17 गेट खोले जाने के कारण नर्मदा का लगातार जल स्तर में हुई बढ़ोत्तरी के कारण सांईखेड़ा से उदयपुरा की ओर जाने वाले मार्ग झिकोली घाट तथा गाडरवारा से तेंदूखेड़ा जाने वाले मार्ग ककरा घाट पर बने हुये पुलों के ऊपर पानी होने के कारण यहां से यातायात पूर्णरूप से बंद हो गया था। इस तरह यह दोनों पुल नर्मदाजी में बाढ़ के चलते तीन दिनों तक डूबे रहने के कारण नरसिंहपुर जिले का रायसेन से संपर्क टूटा हुआ था तो दूसरी ओर इस मार्ग से गाडरवारा व तेंदूखेड़ा के बीच भी यातायात व्यवस्था बंद पड़ी हुई थी। इस तरह चौथें दिवस नर्मदाजी के जल स्तर में कमी आने के बाद इन पुलों के नीचे पानी होते ही यातायात सुचारू रूप से संचालित होते हुये देखा गया। वही दूसरी ओर लगभग एक सप्ताह पहले गाडरवारा से करेली की ओर जाने वाले स्टैट हाईवे मार्ग के ग्राम बंदेश्वर के पास एक पुलिया धसक जाने के चलते इस मार्ग से भी यातायात बंद चल रहा था। इस तरह गाडरवारा को जिला मुख्यालय से मुख्य मार्ग से तो संपर्क टूटा चुका था। मगर कुछ विकल्पिक मार्गो का उपयोग करते हुये लोग छोटे वाहनों के भरोसे नरसिंहपुर पहुंचते हुये देखे जा रहे थें। इस प्रकार से टूटी हुई इस पुलिया का भी जुगाडू सुधार कार्य होने के चलते अब गाडरवारा करेली मार्ग भी चालू हो चुका है। इस तरह बारिश के बीच सुधारी गई यह पुलिया कितने दिन तक साथ देती है यह तो आने वाले दिन ही बता पायेगे...? मगर फिलहाल यह मार्ग पर भी यातायात व्यवस्था संचालित होते हुये दिखाई देने लगी है।

विज्ञान विषय के माध्यमिक शिक्षकों को दिया गया प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देशानुसार शासकीय शालाओं की कक्षा 6 से कक्षा 8 तक विज्ञान विषय पढ़ाने वाले शिक्षकों का 2 दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन स्थानीय सरस्वती उ मा विद्यालय मे आयोजित किया गया। बताया जाता है कि इस प्रशिक्षण का शुभारंभ सरस्वती वंदना के साथ किया गया। वही प्रशिक्षण के प्रथम सत्र मे पंजीयन एवं सामग्री वितरण के साथ शिक्षकों ने सार्थक एप्प से ऑन लाइन उपस्थिति दर्ज करने के साथ ही प्री टेस्ट लिया गया। आयोजित इस प्रशिक्षण शिविर में बीआरसी संदीप स्थापक ने कहा कि विज्ञान विषय प्रयोगो एवं कौशलों से परिपूर्ण है। इसकी शिक्षा सरल तरीके से एवं खेल खेल मे बच्चों को मिले जिससे उन्हें समझने व सीखने में आसान हो सके शासन का इस प्रशिक्षण को लेकर उद्देश्य है। इसी प्रकार से बीएसी मनीराम मेहरा ने कहा कि प्रशिक्षण से हमेशा सीखने को मिलता है। प्रशिक्षण के अंतिम दिन बीएसी पवन राजौरिया ने कहा कि सभी शिक्षको ने सक्रिय रहकर प्रशिक्षण में बेहतर सहभागिता दी गई। आयोजित इस प्रशिक्षण शिविर मे मास्टर ट्रेनर संजय गुप्ता एवं मदन सिंह नरवरिया ने प्रशिक्षण के उद्देश्य एक रोचक शुरुआत के विषय मे बताया। इस दौरान उन्होंने विज्ञान शिक्षण के उद्देश्य, पेडागाजी, सीखने के प्रतिफल एवं स्तिथि, समेकन एवं शिक्षकों से संवाद कर उनके विचार जाने। प्रशिक्षण के आयोजन में एमआईएस वेदप्रकाश राजपूत, सीएसी अपसार खान, आजाद कौरव, दीपक स्थापक, अवधेश पटैल, प्रदीप मालवीय, राजा कहार सहित अनेक शिक्षकगण मौजूद रहे।

गुरू पूर्णिमा के अवसर पर विद्यालयों में किया गया गुरूओं का पूजन

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि आदिकाल से हमारी संस्कृति में गुरूओं को जो सम्मान व गरीमा प्रदान की गई है उसके चलते आज भी गुरूओं को भगवान से बढ़कर दर्जा देते हुये उनका पूजन करने से नही चूकते है। क्योंकि व्यक्ति की किसी भी क्षेत्र में सफलता की गहराई को मापा जावे तो उसमें गुरू की अहिम भूमिका होती है। क्योंकि बगैर गुरू के किसी भी सफलता शून्य हो जाती..? इसी के चलते बीते हुये गुरूवार को गुरूपूर्णिमा के मौके पर शासकीय शिक्षण संस्थाओं के साथ साथ निजी शिक्षण संस्थाओं में गुरूओं का पूजन करते हुये उनका आर्शीवाद लिया गया। बताया जाता है कि गुरू पूर्णिमा के पावन अवसर पर क्षेत्र के सभी विद्यालयों में गुरू पूर्णिमा के मौके पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गए। शिक्षण संस्थाओं में वीणा वादिनी माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन और माल्यार्पण कर गुरू वंदना की गई। विद्यालयों में पदस्थ शिक्षकों और विद्यार्थियों द्वारा गुरू की महिमा पर केनद्रित व्याख्यान आयोजित करते हुये गुरू व शिष्य की गरीमा के महत्व पर प्रकाश डाला गया। इसी के साथ इस दिन गुरूजनों एवं शिक्षकों का सम्मान भी किया गया। इसके अलावा स्कूलो में प्रदेश की राजधानी भोपाल से हुए कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी छात्र छात्राओं को दिखाया गया। इस दौरान छात्र छात्राओं ने प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदयप्रताप सिंह के विचारों को सुना गया।

निःशुल्क नेत्र शिविरः 313 मरीजों को मिला लाभ, 42 मरीजों को मोतियाबिंद चिन्हित होने पर भेजा ऑपरेशन कराने के लिये

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। सही समाज सेवा का मतलब सफल तभी ही माना जा सकता है जब उससे किसी असहाय व गरीब को लाभ मिलते हुये दिखाई दे रहा हो..? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिवस नगर के समाज सेवी काके गंगापारी द्वारा अपने पिता की स्मृति में आयोजित किये गये निःशुल्क नेत्र शिविर में देखने मिला। बताया जाता है कि स्थानीय नया बस स्टैंड पर बीते हुये शुक्रवार को निःशुल्क नेत्र जाँच व मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर का आयोजन स्व. भागचंद पहलवान की 22 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर किया गया था। इस शिविर में सुबह से ही नेत्र रोगियो के पंजीयन व विभिन्न जांचों उपरांत निः शुल्क नेत्र शिविर में सक्षम भारत संस्था एवं आई हॉस्पिटल जबलपुर के नेत्र विशेषज्ञ डॉ.पवन स्थापक के मार्ग दर्शन नेत्र विशेषज्ञ डॉक्टरो ने अपनी टीम के द्वारा जरूरतमंद 313 मरीजो का परीक्षण कर 42 चिन्हित नेत्र रोगियों को ऑपरेशन हेतु जबलपुर पहुंचाया गया। बताया जाता है कि इन मरीजों का जबलपुर निःशुल्क ऑपरेशन किया जाएगा एवं उन्हें ऑपरेशन के पश्चात यथा स्थान पर छोड़ा जाएगा । नेत्र शिविर के आयोजक पहलवान मित्र मंडल ने नेत्र रोगियों की बेहतर व्यवस्थाएं की गई थी। वही शासकीय चिकित्सालय गाडरवारा के नेत्र सहायक यू एस पटेल व माँ विजयासन इंस्टीट्यूट के मुकेश बसेड़िया की पैरामेडिकल टीम ने शिविर में अपना सहयोग प्रदान किया गया। वही नेत्र शिविर में मरीजो को निःशुल्क दवा एवं चश्मा वितरण किये गये।

जब शिक्षण संस्थाओं में लाइयब्रेरी ही नहीं है तो फिर किस बात की वसूली जाती है फीस...?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इस समय शहर में देखा जा रहा है कि जिस प्रकार से बीते हुए माह नया शिक्षण सत्र शुरू हुआ ही है कि अनेक निजी स्कूलों द्वारा अभिभावको को लुभाने के लिए अपना जाल फैलना शुरू कर दिया था? वही दूसरी ओर नए शैक्षणिक सत्र के शुरू होने के दो माह के बाद छात्र छात्राएँ जहाँ अपनी शालायें खुलने की उत्सुकता से खुश नजर आ रहे थे। वही दूसरी ओर शिक्षक भी अपने स्तर पर अध्यापन के लिए मानसिक तौर पर तैयार हो चुके है। मगर इस स्थिति मे अभिभावक बच्चों के लिए कापी, किताबों अन्य सामग्री की व्यवस्था के साथ ही महँगी फीस के प्रबंध मे जुटे हुये देखे जा रहे है । अभिभावक चहते है कि शुरू हुये इस नए सत्र में शालाओं का माहौल इतना बेहतर हो जाए कि छात्र छात्राओं को किसी प्रकार की दिक्कत का सामना न करना पड़े। वही कतिपय अभिभावकों ने बताया कि वर्तमान मे शहर के निजी व शासकीय प्राथमिक शाला भवनों की हालत ठीक नही है, वही कुछ प्राथमिक शालाओं मे छोटे बच्चों को मुख्य सुविधाएँ तक उपलब्ध नही है। दूसरी ओर जागरूक अभिभावकों की शिकायत है कि यह बडे ही विडम्बना की बात है कि अधिकतर क्षेत्र के हायर सेकेंड्री स्कूलों मे वाउंड्रीबाल, अतिरिक्त कक्षों के निर्माण के बावजूद लायब्रेरी की व्यवस्था करने मे कोताही बरती गयी है तथा अनेक हाई स्कूल ऐसे है जिनमे पहले पुस्तकालय थें। किन्तु अब उनके संचालन मे रूचि न होने से किताबें आलमरियों मे बंद कर दी गयी है, जिससें छात्र छात्राएँ पुस्तकों से लाभान्वित नही हो पा रहे है,अभिभावकों की माने तो बाजार से महँगी पुस्तके खरीदकर बच्चों को वे किसी तरह उनके द्वारा शिक्षा दिलायी जा रही है। इस हालत मे संदर्भ ग्रंथ या सहायक पुस्तके खरीदना उनके बस मे नही है,यही कारण है कि छात्र छात्राओं के ज्ञान का विस्तार नही हो पा रहा है, अभिभावकों ने मॉग की है कि जिस प्रकार से नगर की निजी शिक्षण संस्थाओं में लायब्रेरी के नाम पर फीस तो बसूली जा रही है, मगर लायब्रेरी नही है जिसके चलते शासन द्वारा इस प्रकार की संस्थाओं की खोज करते हुए कार्यवाही करे।

बैकों के एटीएम बने पशुओं के तबेला, दिन रात रहता है पशुओं को डेरा

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। इस समय देखा जा रहा है कि जिस प्रकार से सरकार द्वारा हर व्यक्ति को बैकों में खाता खुलबाने की बात कहते हुए संपूर्ण लेन देन को कागज से मुक्त कराया जा रहा है, जिसके चलते जब बैकों में कोई व्यक्ति पैसा निकालने के लिए पहुंचता है तो बैकों द्वारा कहा जाता है कि वह संपूर्ण लेनदेन एटीएमों के माध्यम से करे, जिसके लिए कहने को तो बैकों द्वारा नगर में जहां तहां एटीएमों की स्थापना की गई है। मगर उन एटीएमों की सच्चाई देखी जावे तो जहां एटीएमों में गंदगी का अम्बार लगा हुआ देखा जा रहा है, वही दूसरी ओर नगर के अनेक एटीएम इस प्रकार से देखे जा रहे है पर सुरक्षा की व्यवस्था रहना तो दूर की बात इन एटीएम सेन्टरों में पशुओं का डेरा जमा रहता है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते दिवस एक बैक एटीएम में उस समय देखने मिली जब कुछ लोग उस एटीएम से पैसा निकालने के लिए पहुंचे तो एटीएम के अंदर पशुओं का डेरा इस प्रकार से जमा हुआ देखा गया कि मानों व पशु एटीएम में बैक द्वारा ही नियुक्त किये गये हो जो आराम से ए सी की हवा लेते हुए अपना समय व्यतीत कर रहे हो...?

वर्षो पुरानी बिजली लाईनों के भरोसे चल रही अटल ज्योति योजना से परेशान हो रहे ग्रामीण

हरिभूमि न्यूज/ पलोहा बड़ा। जिस प्रकार से शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले लोगों को प्रदेश सरकार द्वारा 24 घंटे बिजली देने की बात कहते हुए अटल ज्योति योजना का शुभारंभ किया गया था जिसके चलते जहां लोगों में खुशी देखने मिल रही थी, मगर यह योजना इस समय ग्रामीण क्षेत्रों में जिस प्रकार से वर्षो पुरानी बिजली लाईनों में चलते हुए देखी जा रही है उसके चलते ग्रामवासियों को सिर्फ परेशानी ही नही बल्कि इस योजना के तहत 24 बिजली मिल पाना मुश्किल हो रहा है? बताया जाता है कि इस योजना के तहत जिस प्रकार से सिंचाई हेतु अलग वह घरेलू उपयोग हेतु अलग अलग बिजली लाईनों का विस्तार करने के लिए निजी कंपनियों को ठेका देते हुए कार्य कराया गया था। मगर बिजली लाईनों का निर्माण करने वाले ठेकेदारों द्वारा पुराने ही बिजली तारों के माध्यम ही इस योजना को स्वरूप बदते हुए कम बोल्टेज वाले तारों पर हाई बोल्टेज की सप्लाई कर दी गई है जिसके चलते स्थिति इस प्रकार से निर्मित होते हुए देखी जा रही है कि वर्षो पुराने यह तार जहां हाई बोल्टेज को सहन नही कर पा रहा है।

खबर संक्षेप

जिले में 33.9 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। अधीक्षक भू-अभिलेख अनूपपुर द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार जिले में बीते 24 घंटे में 33.9 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। इस दौरान वर्षामापी केन्द्र अनूपपुर में 10.2, कोतमा में 38, बिजुरी में 27.8, जैतहरी में 24, वेंकटनगर में 53, पुष्पराजगढ़ में 54.4, अमरकंटक में 3.4 तथा बेनीबारी में 60.2 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई।

अज्ञात व्यक्ति द्वारा नाली तोड़ने की सीएमओ से हुई शिकायत

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 13 के निवासी प्रदीप कुमार यादव द्वारा मुख्य नगरपालिका अधिकारी अनूपपुर को एक शिकायती पत्र प्रस्तुत करते हुए बताया गया कि वार्ड क्रमांक 13 उज्जवल कॉलोनी में नगरपालिका परिषद द्वारा लगभग 04 माह पूर्व 250 मीटर की नई नाली का निर्माण जयंत राव के घर के पीछे से आलोक पटेल के घर तक कराया गया था, लेकिन 06.07.2025 को उसी नाली को किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा तोड़कर उसमें मिट्टी डालकर बंद कर दिया गया है। जिसके बाद आवेदक द्वारा मुख्य नगरपालिका अधिकारी से नाली को पुनः खुलवाने तथा अज्ञात दोषी पर उचित कानूनी कार्यवाही किए जाने की मांग की गई है।

श्रावण मास शुरू होते ही पवित्र नगरी अमरकंटक में गूंजा बोल बम का जयघोष

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। श्रावण मास के पावन आरंभ के साथ ही अमरकंटक नगरी में शिवभक्तों एवं कांवरियों का आगमन प्रारंभ हो गया है। पूरा वातावरण बोल बम, बम-बम भोले और भजन-कीर्तन की गूंज से भक्तिमय हो उठा है। आषाढ़ पूर्णिमा एवं गुरु पूर्णिमा से ही श्रद्धालुओं ने कांवड़ यात्रा शुरू कर दी है। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर हजारों कांवरियों ने पवित्र नर्मदा जल लेकर करीब 8 किलोमीटर लंबा सफर तय कर भगवान भोलेनाथ के प्रसिद्ध जालेश्वर धाम में जलाभिषेक किया। कांवड़ यात्री भगवा वस्त्र धारण कर, कंधों पर कांवड़ लिए हुए, नर्मदा जल को अपने गांव-नगर स्थित शिव मंदिरों में ले जाकर शिवलिंग पर चढ़ाते हैं। अमरकंटक में श्रावण मास भर भोलेनाथ के विभिन्न मंदिरों अमरकंठेश्वर महादेव, 11 रूद्र महादेव, जालेश्वर महादेव तथा अमरेश्वर महादेव में रुद्राभिषेक और विशेष पूजन-अर्चन का सिलसिला चलता रहता है। मान्यता है कि श्रावण मास और विशेषकर सोमवार के दिन भगवान शिव का पूजन अत्यंत फलदायी होता है। इस दौरान लाखों श्रद्धालु अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति एवं भोलेनाथ को प्रसन्न करने हेतु अमरकंटक पहुंचते हैं। अमरकंटक में पहुंचने वाले कांवरियों में छत्तीसगढ़ के कवर्धा, बिलासपुर, कोरबा, जांजगीर-चांपा, मुंगेली, लोरमी, बांद्र, गौरेला, मरवाही सहित उड़ीसा के भुवनेश्वर, संबलपुर और मध्य प्रदेश के अनूपपुर, शहडोल, उमरिया, डिंडोरी जिले से भारी संख्या में श्रद्धालु शामिल हैं। भक्ति, आस्था और उल्लास के इस पवित्र माह में अमरकंटक नगरी का वातावरण पूरी तरह शिवमय हो गया है।

माननीयों की प्रतीक्षा में अटका लोकार्पण, बरामदे में बैठ पढ़ाई कर रहे छात्र

करोड़ों की लागत से बना स्कूल भवन डेढ़ साल से ताले में बंद, बच्चों की पढ़ाई हो रही प्रभावित

डिंडौरी। शिक्षा के क्षेत्र में सुधार के लाख दावों के बीच डिंडौरी जिले की हकीकत एक बार फिर सामने आई है। जिला मुख्यालय से लगे ग्राम पंचायत शाहपुर में करोड़ों रुपए की लागत से निर्मित नया स्कूल भवन बीते डेढ़ साल से लोकार्पण का इंतजार कर रहा है। इस इंतजार की कीमत चुकानी पड़ रही है स्थानीय विद्यार्थियों को, जो आज भी जर्जर भवन के बरामदे में बैठकर बदहाल स्थिति में पढ़ाई करने को मजबूर हैं।

शाहपुर के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के छात्र-छात्राएं पुराने हाई स्कूल भवन में पढ़ाई कर रहे हैं, जहां कमरे कम और सुविधाएं न के बराबर हैं। बच्चों को बरामदे में बैठकर टॉयलेट की दुर्गंध और बरसात की नमी के बीच पढ़ाई करनी पड़ रही है।

विडंबना यह है कि स्कूल का नया भवन, जो पूरी तरह तैयार है और आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है, पिछले डेढ़ साल से सिर्फ इसीलिए उपयोग में नहीं आ पा रहा क्योंकि उसका औपचारिक लोकार्पण अब तक नहीं हो पाया है।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, बीते वर्ष विक्रमपुर के छर्रा टोला में बने एक अन्य स्कूल भवन का लोकार्पण क्षेत्रीय विधायक और सांसद की उपस्थिति में हुआ था। उसी के अगले दिन शाहपुर के भवन का लोकार्पण प्रस्तावित था। स्कूल प्रबंधन ने आमंत्रण पत्र तैयार करवाए थे, स्थानीय गणमान्य नागरिकों के हस्ताक्षर भी दर्ज हुए थे और प्रशासनिक स्तर पर तैयारी भी पूरी थी, लेकिन कार्यक्रम अचानक रद्द हो गया।

तब से लेकर आज तक यह भवन लोकार्पण की प्रतीक्षा में बंद पड़ा है। नतीजा यह है कि लाखों रुपये की लागत से तैयार भवन बेकार खड़ा है और छात्र-छात्राएं जर्जर व्यवस्था में भविष्य गढ़ने को विवश हैं।

पालकों और विद्यार्थियों की मांग है कि बिना देरी के नए भवन का उपयोग शुरू कराया जाए, ताकि बच्चों को पढ़ाई के लिए बेहतर और सुरक्षित वातावरण मिल सके। सवाल यह भी उठता है कि क्या बच्चों के भविष्य से जुड़ा यह संवेदनशील मामला केवल ‟माननीयों की उपलब्धता” पर निर्भर रहना चाहिए? शिक्षा को प्राथमिकता देने के दावों के बीच यह स्थिति न केवल प्रशासन की संवेदनहीनता को उजागर करती है, बल्कि यह भी दिखाती है कि राजनीतिक औपचारिकताएं किस तरह आम बच्चों के हक पर भारी पड़ रही हैं।

शास. स्नातक महाविद्यालय शहपुरा में गुरु पूर्णिमा महोत्सव मनाया

डिंडोरी। उच्च शिक्षा विभाग मध्य प्रदेश शासन भोपाल के निर्देशानुसार कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीपप्रज्वलित कर किया गया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि को सम्मान किया गया। आज के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सेवानिवृत आर एस गुरुदेव द्वारा अपना उद्बोधन दिया जिसमे महाविद्यालय समस्त स्टॉफ एवं छात्रों को सम्बोधन मे जीवन मे गुरु के महत्व विषय पर अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डी के व्यौहार नें छात्रों को सम्बोधन करते हुए गुरु की महिमा और दैनिक जीवन मे गणित के महत्व को साझा किया। महाविद्यालय प्राचार्य सी.एस परस्ते द्वारा छात्रों को सम्बोधित करते हुए दैनिक जीवन मे गुरु के प्रकार को साझा किया। महाविद्यालय के वरिष्ठ प्रा. एस. बी उरैती, कविता धुर्वे, एन सीं सीं ऑफिसर सी पी भानुवंशी डॉ.ओ. पी. पटेल, डॉ. किरण सिंह, डॉ स्मिता, डॉ राकेश साहू, डॉ आसफ, डॉ. पारुल श्रीवास्तव, राजदीप यादव, पंकज झरिया, अजय श्रीवास्तव, महेंद्र सिंह सैयाम एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम मंच संचालन डॉ भागवत झरिया के द्वारा किया गया।

संकल्प महाविद्यालय में सर्प मित्रों का किया गया सम्मान

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। संकल्प महाविद्यालय द्वारा जिले में वन्यजीव संरक्षण एवं जनहित में उल्लेखनीय कार्य कर रहे सर्प मित्रों शशिधर अग्रवाल, छोटे लाल यादव, मनोज कुमार यादव, नवीन, धर्मेंद्र कुमार यादव का सम्मान समारोह महाविद्यालय परिसर में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में अनूपपुर अनुभागीय अधिकारी (**SDM**) कमलेश पुरी की विशेष उपस्थिति रही। उन्होंने सभी सर्प मित्रों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि इनका योगदान समाज और पर्यावरण के लिए अत्यंत प्रेरणादायक है। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और स्वागत उद्बोधन से हुई। कार्यक्रम मे मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित शशिधर अग्रवाल ने विद्यार्थियों को सर्पों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि सांप प्रायः हानिकारक नहीं होते हैं, और उनके संरक्षण से पारिस्थितिक संतुलन बना रहता है। विद्यार्थियों ने अत्यंत रुचि के साथ उनकी बातें सुनीं और अनेक जिज्ञासाओं का समाधान भी प्राप्त किया।

छात्रावासों की व्यवस्थाएं होंगी और सुदृढ़: कलेक्टर नेहा मारव्या ने अधिकारियों को सौंपा निरीक्षण का दायित्व

डिंडौरी। जिले में संचालित समस्त शासकीय छात्रावासों की व्यवस्थाओं को और अधिक बेहतर और सुव्यवस्थित बनाने की दिशा में कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। उन्होंने जिले के समस्त वरिष्ठ अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने कार्यक्षेत्र में आने वाले छात्रावासों का सतत, नियमित एवं गंभीर निरीक्षण करें। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा है कि यह निरीक्षण केवल औपचारिकता भर न हो, बल्कि छात्रावासों में निवासरत विद्यार्थियों की आवश्यक मूलभूत सुविधाओं — जैसे गुणवत्तापूर्ण भोजन, स्वच्छ पेयजल, समुचित सुरक्षा, सफाई, स्वास्थ्य सेवाएं, अध्ययन सामग्री एवं सतत विद्युत आपूर्ति — की उपलब्धता सुनिश्चित करने की मंशा से किया जाए। श्रीमती मारव्या ने निर्देशित किया है कि प्रत्येक अधिकारी छात्रावासों की वास्तविक स्थिति को न केवल कागजों पर, बल्कि जमीनी हकीकत में समझें, बच्चों से संवाद करें और यदि कोई समस्या या कमी नजर आए, तो उसका त्वरित निराकरण प्राथमिकता से सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने यह भी स्पष्ट किया कि निरीक्षण रिपोर्टों की समीक्षा वे स्वयं करेंगी। उन्होंने अधिकारियों को चेताते हुए कहा कि आदेशों की अवहेलना या लापरवाही की स्थिति में जिम्मेदारी तय करते हुए कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने दोहराया कि छात्रावासों की व्यवस्थाओं को दुरुस्त करना जिला प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल है, क्योंकि यह विषय सीधे तौर पर बच्चों की सुरक्षा, स्वास्थ्य और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के

अधिकार से जुड़ा हुआ है। जिला प्रशासन की यह पहल निश्चित रूप से छात्रावासों में रह रहे विद्यार्थियों को बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में एक प्रभावी कदम मानी जा रही है।

जिले में संभावित बाढ़ व प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए व्यापक तैयारी, समन्वित कार्ययोजना तैयार

डिंडौरी। मानसून सत्र में संभावित बाढ़, अतिवृष्टि व अन्य प्राकृतिक आपदाओं को देखते हुए जिला प्रशासन ने विशेष सतर्कता बरतते हुए व्यापक तैयारियाँ शुरू कर दी हैं। मध्यप्रदेश शासन के होमगार्ड, नागरिक सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन विभाग, भोपाल के निर्देशों के तहत कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या के मार्गदर्शन में जिले के सभी संबंधित विभागों को संवेदनशील क्षेत्रों जैसे नदियों, नालों, जलाशयों के किनारे बसे इलाकों में विशेष निगरानी रखने और तत्काल उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए गए हैं। आपदा की स्थिति में प्रभावी समन्वय के लिए अपर कलेक्टर (एडीएम) को नोडल समन्वयक नियुक्त किया गया है, जो तैयारियों, मॉक ड्रिल और आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया की निगरानी कर रहे हैं। स्वास्थ्य, पीएचई, नगर निगम, जल संसाधन, पुलिस, एसडीईआरएफ, सिविल डिफेंस जैसे विभागों के साथ संयुक्त कार्ययोजना बनाई गई है और बचाव दल पहले ही सक्रिय कर दिए गए हैं। सुरक्षा के लिहाज से जिले में मौजूद सभी कुओं, बोरवेल्स, सेप्टिक टैंकों और ड्रेनेज सिस्टम की पुनः जांच की जा रही है ताकि किसी प्रकार की दुर्घटना को टाला जा सके। स्थानीय निकायों और जनप्रतिनिधियों की सहायता से जन-जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें जोखिम वाले क्षेत्रों के नागरिकों को सतर्क किया जा रहा है। सूचना के त्वरित प्रसार के लिए लाउडस्पीकर, मुनादी, व्हाट्सएप ग्रुप और स्थानीय टीवी चैनलों जैसे संचार माध्यमों का उपयोग किया जा रहा है। वहीं कृषि, पुलिस व एसडीईआरएफ सहित विभिन्न विभागों के संसाधनों की मैपिंग कर ली गई है, ताकि आपदा की स्थिति में उन्हें तुरंत उपयोग में लाया जा सके। राहत व बचाव कार्यों में आधुनिक तकनीक का भी सहारा लिया जा रहा है। ड्रोन की मदद से प्रभावित क्षेत्रों में राहत सामग्री पहुँचाने और जरूरतमंदों को त्वरित सहायता देने की योजना बनाई गई है।

विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन संपन्न

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर एवं श्रीमती माया विश्वलाल, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष महोदया जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अनूपपुर के निर्देशानुसार नालसा (बच्चों के लिए बाल-अनुकूल कानूनी सेवाएं) योजना, 2024 एवं नालसा (DAWN-नशा मुक्त भारत के लिए नशीली दवाओं के प्रति जागरूकता और कल्याण मार्गदर्शन) योजना, 2025 विषय में एवं विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अनूपपुर में, विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में विनोद कुमार वर्मा न्यायाधीश/ सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनूपपुर, बृजेश पटैल जिला विधिक सहायता अधिकारी, संतदास नापित चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसेल, विद्यालय के प्राचार्य सतीश चन्द्र सिंह एवं विद्यालय के सचिव आदर्श दुबे उपस्थित रहें। कार्यक्रम में विनोद कुमार वर्मा न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने अपने संबोधन में निःशुल्क विधिक सहायता एवं सलाह योजना, यातायात नियम, सायबर अपराध के बारे में विस्तार से जानकारी दी साथ ही उन्होंने नशा मुक्त भारत के लिए नशीली दवाओं के प्रति जागरूकता और कल्याण मार्गदर्शन योजना के बारे में बताया कि यह योजना नशा मुक्त भारत अभियान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसका उद्देश्य, नशीली दवाओं के दुरुपयोग के बारे में जागरूकता बढ़ाना, नशीली दवाओं के दुरुपयोग को रोकना, नशा पीड़ितों को उपचार और पुनर्वास सेवाएं प्रदान करना एवं एक स्वस्थ और नशा मुक्त समाज का निर्माण करना है।

वर्षा ऋतु में सभी पटवारी गंभीरता एवं सक्रियता के साथ करें कार्य-अपर कलेक्टर

अपर कलेक्टर ने ली पटवारियों की बैठक, दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। अपर कलेक्टर दिलीप कुमार पांडेय ने वर्षा ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए जिले के सभी पटवारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने क्षेत्र में गंभीरता एवं सक्रियता के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि इस मौसम में ग्रामीण क्षेत्रों में आपदाओं एवं दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है, ऐसे में किसी भी प्रकार की घटना की जानकारी तत्काल नियंत्रण कक्ष को दी जाए, ताकि प्रशासन समय रहते आवश्यक राहत कार्य प्रारंभ कर सके। अपर कलेक्टर दिलीप कुमार पांडेय आज कलेक्ट्रेट कार्यालय के नर्मदा सभागार में आयोजित बैठक में जिले के सभी पटवारियों को निर्देशित कर रहे थे।

बैठक में अपर कलेक्टर श्री पांडेय ने निर्देश दिए कि पटवारी अपने नियमित राजस्व कार्य जैसे फॉर्मर रजिस्ट्री, फसल रजिस्टर (एफ.आर.) एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों के संधारण एवं अद्यतन को प्राथमिकता के आधार पर करें। उन्होंने कहा कि वर्षा के दौरान भूमि संबंधी विवाद, फसलों की क्षति अथवा प्राकृतिक आपदा की स्थिति में पटवारी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने सभी पटवारियों से अपेक्षा की कि वे शासन के निर्देशों का गंभीरता से पालन करें तथा क्षेत्रीय समस्याओं की जानकारी समय पर प्रशासन को उपलब्ध कराएं, जिससे राहत एवं पुनर्वास कार्यों को प्रभावी रूप से संपादित किया जा सके। बैठक में अधीक्षक भू-अभिलेख प्रदीप मोगरे ने निर्देश दिए कि जिले में किसी भी गांव या क्षेत्र में बाढ़, भूस्खलन या मकान गिरने जैसी घटना की सूचना मिलते ही संबंधित पटवारी तत्काल मौके पर पहुंचे और त्वरित सर्वेक्षण कर उसकी रिपोर्ट प्रशासन को सौंपें। उन्होंने कहा कि भारी वर्षा या ओलावृष्टि से फसल को हुए नुकसान का पंचनामा शीघ्र बनाकर संबंधित कार्यालय को भेजा जाए, जिससे प्रभावित कृषकों को समय पर मुआवजा उपलब्ध कराया जा सके। श्री मोगरे ने कहा कि वर्षा ऋतु में भूमि संबंधी विवाद अधिक होते हैं, अतः ऐसे मामलों का स्थलीय निरीक्षण कर न्यायोचित समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी क्षेत्र में डेंगू, मलेरिया जैसी मौसमी बीमारियों का प्रकोप हो, तो पटवारी तत्काल स्थानीय स्वास्थ्य विभाग को सूचित करें और जनजागरूकता अभियान में सक्रिय सहयोग प्रदान करें। किसी भी प्रकार की आपदा या दुर्घटना की स्थिति में पटवारी प्रशासन से सीधे समन्वय स्थापित करें, ताकि राहत एवं सहायता कार्य समय पर प्रारंभ हो सकें। बैठक में अन्य विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर भी चर्चा कर पटवारियों को आवश्यक दिशानिर्देश दिए गए। बैठक में जिले के सभी पटवारी उपस्थित थे।

कैम्पों के माध्यम से 215 नागरिकों के आधार कार्डों में हुए आवश्यक सुधार

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली के निर्देशानुसार जिले के सभी नगरीय निकायों के वार्डों तथा ग्राम पंचायतो में विभिन्न शासकीय सेवाओं का लाभ लिए जाने हेतु नागरिकों के आधार कार्ड में आवश्यक सुधार व नए आधार कार्ड बनाए जाने हेतु ग्राम पंचायत व वार्डवार आधार कैम्प का आयोजन प्रातः 10:00 बजे से सायं 6:00 बजे तक प्रतिदिन अलग-अलग वार्ड व ग्राम पंचायत में किया जा रहा है। जिसके तहत गुरुवार को आयोजित आधार कैम्पों के माध्यम से 215 नागरिकों के आधार कार्डों में आवश्यक सुधार कार्य एवं 15 नागरिकों के नए आधार कार्ड बनाए गए।

इन ग्रामीण क्षेत्रों में लगेंगे शिविर

जनपद पंचायत जैतहरी अंतर्गत ग्राम पंचायत परसवार एवं मेडियारास में 12 से 15 जुलाई तक आधार कैम्पों का आयोजन किया जाएगा। परसवार में आधार ऑपरेटर शैलेन्द्र सूटी तथा मेड़ियारास में आधार ऑपरेटर ऊदल चंद्रवंशी द्वारा आधार पंजीयन एवं अपडेशन कार्य किया जाएगा। इसी प्रकार जनपद पंचायत अनूपपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत खोड़री नं. 02 एवं पड़ौर में 12 जुलाई को आधार कैम्पों का आयोजन किया जाएगा। खोड़री नं. 02 में आधार ऑपरेटर दिलीप प्रजापति तथा पड़ौर में आधार ऑपरेटर दीपक साकेत द्वारा आधार पंजीयन एवं अपडेशन कार्य किया जाएगा। जनपद पंचायत कोतमा अंतर्गत ग्राम पंचायत छुलहा एवं कमरानटोला में 12 से 14 जुलाई तक आधार कैम्पों का आयोजन किया जाएगा। छुलहा में आधार ऑपरेटर राजेन्द्र साहू तथा कमरानटोला में आधार ऑपरेटर सागर महरा द्वारा आधार पंजीयन एवं अपडेशन कार्य किया जाएगा। जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत करपा एवं नौगवां में 12 जुलाई को आधार कैम्पों का आयोजन किया जाएगा। करपा में आधार ऑपरेटर लखन लाल तथा नौगवां में आधार ऑपरेटर पुरुषोत्तम द्वारा आधार पंजीयन एवं अपडेशन कार्य किया जाएगा।

इन नगरीय क्षेत्रों में लगेंगे शिविर

अनूपपुर के वार्ड 10 में 12 जुलाई को आधार कैम्प का आयोजन किया जाएगा। जिसमें आधार ऑपरेटर मधुसूदन द्वारा आधार पंजीयन एवं अपडेशन कार्य किया जाएगा। इसी प्रकार नगरपालिका कोतमा के वार्ड नम्बर 11 में 12 जुलाई को आधार कैम्प का आयोजन किया जाएगा। जिसमें आधार ऑपरेटर निकिता जैन द्वारा आधार पंजीयन एवं अपडेशन कार्य किया जाएगा। नगरपालिका बिजुरी के वार्ड नम्बर 10 में 12 जुलाई को आधार कैम्प का आयोजन किया जाएगा। जिसमें आधार ऑपरेटर सचिन सोनी द्वारा आधार पंजीयन एवं अपडेशन कार्य किया जाएगा। नगर परिषद जैतहरी के वार्ड 10 में 12 जुलाई को आधार कैम्प का आयोजन किया जाएगा।

खबर संक्षेप

बरकुंडा डोभी सड़क मार्ग बंद

तेंदूखेड़ा। इन दिनों तेंदूखेड़ा क्षेत्र में पिछले एक पखवाड़े से चल रही अनवरत बरसात के चलते आम जन जीवन अस्त-व्यस्त बना हुआ है ।वहीं तेंदूखेड़ा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम बरकुंडा से डोभी सड़क मार्ग पिछले 3 दिन से बंद पड़ा हुआ है। वहीं बीच सड़क पर बरगद का विशाल काय वृक्ष गिर जाने सडक मार्ग बंद है। ग्रामीणों ने हमारे प्रतिनिधि को बताया कि यह मार्ग हम आसपास के लगे गांवों के लिए आवागमन की दृष्टि से सुलभ है। लेकिन अभी तक वृक्ष ना हटने के कारण आवागमन में असुविधा हो रही है।

भारत पेट्रोलियम के अधिकारियों ने छात्रों को बांटी किटें एवं किया वृक्षारोपण

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड ने स्वच्छता पखवाड़ा के चलते प्लांट से टेरेटरी मैनेजर महेंद्र दलवी एवं सेल्स एरिया अधिकारी रक्ततपाल का आशीर्वाद भारत गैस तेंदूखेड़ा आगवन हुआ। भारत गैस संचालक रामकुमार ठाकुर एवं स्टॉफ के साथ जाकर शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तेंदूखेड़ा में स्वछता विषय पर चर्चा करते हुए वृक्षों के संरक्षण आस पास का माहोल हरा भरा रखने की बात कही। तथा घरों में इस्तेमाल की जाने वाली रसोई गैस सिलेंडरो के उचित रखरखाव सुरक्षा के आवश्यक उपायों पर विस्तार से चर्चा की तथा स्वछता से संबंधित विषयों पर आधारित आवश्यक सबाल किये प्रश्नों का सही जबाब देने वाली सभी छात्राओं को स्वच्छता संबंधित किट प्रोत्साहन स्वरूप प्रदान की गईं। इस मौके पर गैस वितरण केंद्र के वालिन्टयरों को भी सुरक्षा किटों का वितरण किया गया।

अक्षय चार्टर्ड अकाउंटेंट बनें

तेंदूखेड़ा। नगर के प्रतिष्ठित सहजपुर वाले कोठारी परिवार अमित कोठारी (के के) के सुपुत्र अक्षय जैन चार्टर्ड अकाउंटेंट की परीक्षा में उत्तीर्ण हुए हैं। इनकी इस सफलता पर शुभचिंतकों ने बधाईयां प्रेषित की हैं। तथा परिवार में हर्ष का वातावरण बना हुआ है।

खेत के गहरे गड्ढे में गिरा 5 साल का मासूम, मौत

सिवनी। बरघाट से लगभग 2 किलोमीटर दूर मानेगांव कला में गुरुवार की शाम खेत के एक गहरे कुआंनुमा गड्ढा में मासूम बालक के गिर जाने से मौत हो गई। गुरुवार को दोपहर 2 बजे 5 वर्षीय बालक निहाल ठाकुर पिता ज्वाला सिंह ठाकुर खेलने गया था। खेत के टाके में खेलते खेलते गिर गया, बारिश के चलते खेत के टांका में लबालब पानी भरा हुआ था। परिजनों को जब बालक शाम 4.30 बजे तक कहीं नजर नहीं आया तो वह चिंतित हो उठे और बालक की तलाश में जुड़ गए, वही खेत के पास पानी से भरे गहरे गड्ढे के समीप मासूम बालक की चप्पल उन्हें नजर आई और बालक कहीं भी नहीं दिखा। उक्त घटना की जानकारी उन्होंने गांव वालों को दी।

कमिश्नर व कलेक्टर ने किया आंगनबाड़ी, स्कूल व स्वास्थ्य केन्द्र निरीक्षण

पोषण प्रबंधन कार्यशाला में की योजनाओं की समीक्षा

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

शुक्रवार को कमिश्नर जबलपुर संभाग धनंजय सिंह ने जिले में भ्रमण कर देवरी- राजमार्ग में आंगनबाड़ी केन्द्र, प्राथमिक शाला, पं. उमाशंकर शर्मा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय देवरी और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र राजमार्ग-देवरी का निरीक्षण किया। कमिश्नर श्री सिंह ने आंगनबाड़ी केन्द्र में बच्चों की उपस्थिति के संबंध में जानकारी ली और बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने के निर्देश दिये। उन्होंने बच्चों को नियमित रूप से नाश्ता, मध्यान्ह भोजन प्रदान करने तथा उनका नियमित रूप से वजन, ऊंचाई एवं टीकाकरण करने के निर्देश दिये। भ्रमण के दौरान कमिश्नर श्री सिंह ने प्राथमिक शाला देवरी- राजमार्ग और पं. उमाशंकर शर्मा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय देवरी- राजमार्ग का भी निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर में सुधार के लिए प्राचार्य को निर्देशित किया।

समुचित व्यवस्थाओं हेतु दिए निर्देश

कमिश्नर श्री सिंह ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र राजमार्ग का निरीक्षण किया। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में उपस्थित मरीजों से चर्चा कर उपचार व्यवस्थाओं की जानकारी ली। बरसात के मौसम में मौसमी बीमारियां की रोकथाम एवं समुचित उपचार की व्यवस्थाओं के लिए स्वास्थ्य विभाग को अपने क्षेत्रों में निगरानी बनाए रखने एवं आवश्यक उपाय करने के निर्देश दिये। कमिश्नर श्री सिंह ने आंगनबाड़ी केन्द्र, विद्यालय और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिये कि वे शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही न बरतें। स्कूलों आंगनवाड़ी केंद्रों का नियमित निरीक्षण किया जाए।

समय पर वितरित करें पोषण आहार

क्षेत्र भ्रमण के पश्चात्य आयुक्त द्वारा आईटीआई तेंदूखेड़ा में महिला बाल विकास एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा मैदानी अमले की पोषण प्रबंधन एवं स्वास्थ्य सेवाओं पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया। कार्यशाला में महिला बाल विकास विभाग के 0 से 6 वर्ष के बच्चों के पोषण स्तर, टेक होम राशन वितरण एवं प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना की समीक्षा कर उपस्थित अधिकारी कर्मचारियों को निर्देशित किया कि वे सभी बच्चों, गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को समय पर पोषण आहार वितरित करें एवं प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में सभी पात्र महिलाओं का समय पर पंजीयन कर उन्हें लाभ देना सुनिश्चित करें।

प्रभावी ढंग से करें योजनाओं की मॉनिटरिंग

परियोजना अधिकारी एवं सुपरवाइजर सप्ताह में नियमित रूप से भ्रमण कर विभागीय योजनाओं की मॉनिटरिंग प्रभावी ढंग से करें। स्वास्थ्य विभाग के मैदानी अमले को निर्देशित किया कि वे महिला बाल विकास विभाग के विभागीय अमले के साथ समन्वय बनाकर संयुक्त रूप से बच्चों एवं महिलाओ के पोषण तथा स्वास्थ्य सम्बन्धी सेवाओं को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करें। आई टी आई परिसर में कमिश्नर धनंजय सिंह, कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले, दिलीप पटेल ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले, जिला पंचायत सीईओ दलीप कुमार, संयुक्त आयुक्त विकास राजेश दीक्षित, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती वंदना जाट सहित संभाग स्तरीय, जिला स्तरीय एवं जनपद स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

विभिन्न मांगो को लेकर सरपंच संघ ने सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

शुक्रवार को जनपद पंचायत चावरपाठा क्षेत्र के सरपंचों एवं अन्य नागरिकों द्वारा जनपद पंचायत में मुख्य कार्यपालन अधिकारी को पदस्थ किए जाने की मांग की गई। ज्ञापन में बताया गया कि जनपद पंचायत कार्यालय मे पदस्थ मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक गुप्ता कार्यालय में उपस्थित नहीं रहते जिसके चलते ग्राम पंचायतों के कार्य बाधित रहते है। ज्ञापन में उल्लेख है कि पंचायतों मे पदस्थ सचिवों के स्थानांतरण के कारण भी पंचायतों के कार्य बाधित हो रहे है। संगठन द्वारा मांग की गई है कि पीएम आवास की द्वितीय किस्त का शीघ्र भुगतान किया जाए। वही सब इंजीनियर उमेश मिश्रा भी कार्यालय में उपस्थित नही रहते है। जनपद पंचायत अतिरिक्त सब इंजीनियर पदस्थ किए जाए। उक्त मांगों को निराकरण सात दिवस की भीतर नही किया गया तो विशाल धरना प्रर्दशन किया जाएगा। उक्त मौके पर बड़ी संख्या में सरपंच व प्रतिनिधि मौजूद रहे।

निशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। शुक्रवार को स्वास्थ्य केन्द्र रोसरा राजमार्ग में शंकराचार्य नेत्रालय द्वारा निशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 53 नेत्र मरीजों की जांच की गई। जिसमें से 22 मोतियाबिंद के मरीजों को ऑपरेशन के लिए भेजा गया। शिविर के दौरान मोतियाबिंद का विशेष परीक्षण किया गया। शेष मरीजों को उपचार दिया गया। शिविर मे प्रभारी बीएमओं शंकराचार्य नेत्रालय स्टाफ व स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी एवं कमिश्नर व कलेक्टर सहित प्रशासनिक अमला मौजूद रहा।

नायब तहसीलदारों की हुई पदस्थापना

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।. कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने नायब तहसीलदार सुश्री रूबी खान को प्रभारी अधीक्षक भू- अभिलेख और प्रभारी नायब तहसीलदार राजीव कुमार नेमा को नायब तहसीलदार गोटेगांव- बरहटा सर्किल के पद पर अस्थायी तौर पर आगामी आदेश के लिए पदस्थापना की है। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन के राजस्व विभाग द्वारा जारी आदेश के परिपालन में नायब तहसीलदार सुश्री रूबी खान और प्रभारी नायब तहसीलदार राजीव कुमार नेमा का जिला छिंदवाड़ा से जिला नरसिंहपुर स्थानांतरण किया गया है। उक्त आदेश के परिपालन में कलेक्टर द्वारा यह आदेश जारी किया है।

कैबिनेट मंत्री श्री पटेल का किया आभार

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जनपद पंचायत को नया भवन मिलने जा रहा है पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने भवन निर्माण के लिए 5 करोड़ 25 लाख रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति जारी कर दी हैं।

जनपद पंचायत नरसिंहपुर उपाध्यक्ष कंछेदी पटेल ने नरसिंहपुर विधानसभा से विधायक एवं मप्र सरकार में कैबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल का आभार व्यक्त किया है। नए भवन में आधुनिक तकनीकी सुविधाएं होगी। इससे सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन आसान होगा। पंचायत की कार्यप्रणाली पारदर्शी और प्रभावी बनेगी। क्षेत्र की जनता को ग्राम विकास और जनकल्याण कार्यों में सहूलियत मिलेगी। उपाध्यक्ष श्री पटेल ने कहा कि मंत्री पटेल पर भरोसा जताते हुए कहा कि नरसिंहपुर में लगातार नई योजनाएं आ रही है और उन्हें भविष्य में और भी विकास कार्यों पर भरोसा दिलाया है अभी पुरानी जनपद भवन की हालत खराब है कमरों में पानी टपकता है उन लोगों की समस्या का सामना करना पड़ता है लेकिन नए भवन बनने के बाद कर्मचारियों को बैठने की बेहतर व्यवस्था के साथ ग्रामीण क्षेत्र से आने वाले हजारों लोगों इसका फायदा मिलेगा। यह नए भवन से शासन प्रशासन और जनता के बीच बेहतर संवाद का माध्यम बनेगा। इससे क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी।

कॅरियर मार्गदर्शन एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। शुक्रवार को प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना के युवा कैलेण्डर अनुसार विश्व युवा कौशल सप्ताह अंतर्गत स्टेट बैंक आफ इण्डिया द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन संस्था प्राचार्य डॉ. आर.बी. सिंह तथा आई.क्यू.ए.सी. के निर्देशन में किया गया। बैंकिंग क्षेत्र विशेषकर एस. बी. आई. में रोजगार की संभावनाओं तथा रिक्तियों की जानकारी देने हेतु भारतीय स्टेट बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक अमित भगत, मुख्य प्रबंधक शुभम श्रीवास्तव तथा अन्य उपस्थित प्रतिनिधियों द्वारा बैंक के विभिन्न पदों पर होने वाली नियुक्तियों, उनकी पात्रता, प्रक्रिया, वेतनमान इत्यादि से अवगत कराया। साथ ही उन्होंने यह जानकारी भी दी कि भारतीय स्टेट बैंक पी.ओ. के लिए वर्तमान में आवेदन आमंत्रित किये जा रहे हैं। जिसमें 21 से 30 वर्ष के पात्र उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं। कार्यक्रम में स्नातक व स्नातकोत्तर कक्षाओं के विद्यार्थी लाभांवित हुए। आयोजन में महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापकों श्रीमती शोभा मिश्रा, डॉ. गणेश कुमार सोनी, डॉ. नमिता साहू, केशव पाण्डेय, भरत सिंह ठाकुर, डॉ. चेतना उपाध्याय तथा सभी शिक्षकगणों की सहभागिता रही। प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. प्रभृति सेन, प्रकोष्ठ सदस्यों श्रीमती शिल्पी तिवारी, श्रीमती दीप्ती नेमा, कु. पूर्णिमा पटैल का सहयोग रहा।

मोक्ष मार्ग दिखाता है गुरु : मुनिश्री

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

गुरू पूर्णिमा के अवसर पर कंदेली स्थित जैन मंदिर जी में अपनी दिव्य देशना में मुनि निर्दोष सागर महाराज जी ने गुरू पूर्णिमा के महत्व को बताते हुए कहा कि गुरू पांच प्रकार के होते हैं। जन्मदाता, शिक्षादाता, अन्नदाता, दीक्षादाता, जन्मदाता गुरु माता-पिता होते हैं बाल्य अवस्था का ज्ञान दिलाते हैं माता-पिता ने संसार के विषयों में फंसाने की शिक्षा देते रहे, परंतु मोक्षमार्ग नहीं बतलाया। गीली मिट्टी को कुम्हार के चके पर रखने से कभी अपने आप मंगल कलश नहीं बनता है। कुम्भकार के हाथ ही गिली मिटटी को मंगल कलश बनाता है। बच्चों को मंगल कलश बनाने के लिए गुरु की शरण आवश्यक है, संसार में चार शरण अरिहंत, सिध्द, साधु, केवली शरण है। गुरू ने पहले स्वयं दीक्षा ली, पिर जगत का कल्याण करने निकल पड़े। आज उन गुरुओं का दिन आषाढ पूर्णिमा को ही गुरू पूर्णिमा के रूप में मनायी जाती है। जन्म देने वाली मां आधी गुरु है, दीक्षा देने वाले गुरु ही पुर्ण गुरू होते हैं। हमे गुरुओं की उपासना करनी चाहिए ये दिगम्बर मुनियों को मुद्रा देख कर सीखा जा सकता है। जो मोक्ष मार्ग *का स्वरूप है पहले के गुरू एक पाठी थे, जो एक बार में सब कुछ याद कर लेते थे। पंचम काल की बलिहारी है, कि अच्छी बातें दिन में ना हीं रख पाते है। गन्ने का रस निकालकर गन्ने छिलके फैंक देते हैं। ऐसे ही बुराईयों को निकाल कर दिल से फैंक देना चाहिए। गुरु की शरण में सदैव समय का सदुपयोग होता है। जीवन जीने के लिए हैरू रक्षा कवच है. मिथ्थावादी युग से कैसे छुटकारा पाये अंतरंग की ज्योति कैसे प्रज्जवलित करें, जीवन की वैतरणों कैसे पार करें इन विषयों के बावत गुरुओं से जान प्राप्त कर सकते हैं। प्रवचन श्रृंखला में मूनि निरूपम सागर महाराज जी ने कहा कि जिसके जीवन में गुरू नहीं, उसका जीवन शुरू नहीं, आखिर गुरु किसे कहते हैं, जो हमें उन्नति की ओर ले जाते है उन्हें गुरु कहते हैं। आचार्य विद्यासागर महाराज जी ने अहिंसा, जीव दया और करूणा के लिए हमेशा प्रेरित किया था। गुरु को अंतरंग की भावना से याद करने पर अंदर की कलुषित भावना मिट जाती है। गुरु शब्द बहुत बडा है गुरू शब्द को सामान्य बना दिया है आम लोग बोलचाल में बोलते हैं और गुरु क्या हाल है गुरु शब्द के गुरु में ग याने गंभीर ,उ याने उदार,रू याने रहस्य का उदघाटक होता है।*

जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाने की मांग सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। शुक्रवार को राष्ट्रीय हिंदू फ्रंट संघ द्वारा प्रधानमंत्री के नाम जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन मे मांग की गई है कि देश की जनसंख्या तेजी से बढ़ रही है और उसके कारण देश के विकास में अनेक प्रावधान उत्पन्न हो रहे हैं इसलिए देश के सभी नागरिकों के लिए जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाया जाए और यह सुनिश्चित किया जाए। ज्ञापन में उल्लेख है कि कानून बनने के बाद 1 वर्ष के भीतर उक्त कानून का उल्लंघन न कर पाए यदि कोई इसका उल्लंघन करेगा तो उसको सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित किया जाए सरकारी नौकरी से वंचित किया जाए चुनाव आदि लड़ने से भी वंचित किया जाए इस तरह यह कानून प्रभावी ढंग से देश में लागू होना चाहिए क्योंकि यदि हमारी जनसंख्या नियंत्रण में रहेगी तो देश का विकास तेजी से होगा और हम विश्व पटेल पर एक विकसित देश की तरह चमकेंगे अभी आप देखेंगे नरसिंहपुर जिले में ही सड़कों में इतनी अधिक भीड़ हो रही है चलना मुश्किल हो रहा है सरकारी अस्पतालों में बस स्टैंड में रेलवे स्टेशन पर कभी-कभी भीड़ इतनी अधिक हो जाती है कि उसका मैनेजमेंट करना कठिन हो जाता है यदि हम जनसंख्या नियंत्रण कानून प्रभावी ढंग से देश में लागू करेंगे तो निश्चित रूप से हम अपने संसाधनों का उपयोग कर देश को एक विकसित राष्ट्र की श्रेणी में लाकर खड़ा कर सकेंगे इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय हिंदू फ्रंट की सचिव शकुन नामदेव संरक्षक श्रीमती संध्या कोठारी भारती दीक्षित प्रवीण गोस्वामी सुमन शर्मा मिथिलेश भार्गव मानव अधिकार संघ की जिला अध्यक्ष श्रीमती सरिता अग्रवाल भारती कौरव शुभा पाठक तथा सरवरी सिद्दीकी एडवोकेट अखिलेश ओसवाल जितेंद्र सिंह स्वदेश कोठारी अनिरुद्ध पटेल सेहत राष्ट्रवादी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आर्यिका संघ के सानिध्य में मनाई गई गुरु पूर्णिमा एवं वीर शासन जयंती

तेंदूखेड़ा

दिगम्बर जैन मंदिर परिसर में विराजमान आर्यिका सिद्धांतमती माताजी के ससंघ सान्निध्य में गुरुपूर्णिमा एवं वीरशासन जयंती मनाई गई।

संत शिरोमणि आचार्य भगवान श्री विद्यासागर जी महाराज की परम शिष्या एवं आचार्य श्री समय सागर जी महाराज की आज्ञा से पूजनीय 105 आर्यिका सिद्धांत मति माताजी 105 आर्यिका पुनीत मति माताजी 105 आर्यिका विनय मति माताजी का पावन वर्षायोग तेंदूखेड़ा में संपन्न होने जा रहा है। आगामी 14 जुलाई को दोपहर 1 बजे से चिन्मय सागर सभागार में वर्षायोग मंगल कलश स्थापना समारोह का आयोजन भव्यता से किया जाएगा। आर्यिका सिद्धांतमति माताजी ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि वैशाख शुक्ल एकादशी को तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी को केवल ज्ञान की प्राप्ति हुई परंतु उनकी धर्म सभा समव शरण में उनकी दिव्य देशना को धारण करने की पात्रता रखने वाला योग शिष्य ना होने के कारण 65 दिनों तक भगवान के समवशरण में उनकी दिव्य देशना प्रारंभ नहीं हो सकी। भगवान की दिव्या देशना का यह अतिशय होता है कि वह अर्द्धमागधी भाषा में अनक्षरी हुआ करती है परंतु वहां पर उपस्थित समस्त जीव उसे अपनी-अपनी भाषा में समझ जाते हैं । जव आषाढ शुक्ल पूर्णिमा को इंद्रभूति गौतम ऋषि भगवान महावीर स्वामी के समव शरण में अपने भाई अग्नि भूति एवं वायुभूति और उनके पांच पांच सौ शिष्यों के साथ पहुंचे और उन्होंने भगवान महावीर स्वामी को अपना गुरु बनाया एवं उनसे दैगम्बरी मुनि दीक्षा लेकर उनके प्रमुख शिष्य गणधर परमेष्ठी बन गये।इंद्रभूति गौतम ऋषि ने एवं हम सभी ने भगवान महावीर स्वामी को गुरु के रूप में प्राप्त किया इसलिए आषाढ शुक्ल पूर्णिमा गुरु पूर्णिमा के रूप में मनाई जाती है। । गुरु का हमारे जीवन में बहुत महत्व है कहा गया है जिसके जीवन में गुरु नहीं उसका जीवन शुरू नहीं। गुरु ही हमारा सच्चा मार्गदर्शन होता है। भगवान की दिव्य ध्वनि को ग्रहण करने की योग्यता रखने वाले इंद्रभूति गौतम जब भगवान के प्रमुख शिष्य प्रमुख गणधर बन गये तो श्रावण कृष्ण प्रतिपदा को भगवान महावीर स्वामी की समवशरण सभा में उनकी दिव्य ध्वनि धर्म देशना प्रारंभ हो गई। इसीलिए श्रावण कृष्ण प्रतिपदा के दिन वीर शासन जयंती मनाई जाती है ।क्योंकि इस तिथि से भगवान महावीर स्वामी का धर्म शासन प्रारंभ हुआ आज हमें जो भी शास्त्र ज्ञान धर्म का मार्ग मिला हुआ है वह सभी भगवान महावीर स्वामी के द्वारा ही बताया गया है।

संभागायुक्त ने सेमिनार में लिया भागः बच्चों के पोषण, शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं की बेहतरी पर चर्चा

तेंदूखेड़ा। शुक्रवार को तेंदूखेड़ा पहुंचे जबलपुर संभाग के कमिश्नर श्री धनंजय सिंह भदौरिया ने तेंदूखेड़ा आई टी आई सभागार में आयोजित पोषण प्रबंधन कार्यशाला के दौरान शासन द्वारा निर्धारित योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन को लेकर महिला बाल विकास विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग सहित ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों से काफी विस्तार से चर्चा करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन करने की बात कही। बच्चों में कुपोषण को रोकने उनके सर्वांगीण विकास पर पालकों को ध्यान दिये जाने के साथ साथ महिला वाल विकास विभाग भी सजग रहे। ग्रामीण क्षेत्रों में साफ सफाई के साथ मौसमी बीमारियों की रोकथाम की दिशा में कारगार कदम उठाए जाने सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। कमिश्नर श्री भदोरिया ने प्रत्येक अधिकारी कर्मचारी को शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन में सजगता से काम करने के लिए निर्देशित किया।सेमीनार के उपरांत पत्रकारों ने तेंदूखेड़ा की सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में सुविधाओं की नगण्यता स्टाप की कमी पर भी चर्चा की ।कमिश्नर ने आश्वासन दिया कि शीघ्र ही उचित व्यवस्था कराई जायेगी।आई टी आई तेंदूखेड़ा में चल रही ट्रेडों के बारे में भी प्रबंधक से चर्चा की गई।इस मौके पर आई टी आई परिसर में आम और पाम के पौधे भी लगाये गये।इस मौके पर कलेक्टर शीतला पटले के अलावा विभिन्न विभागों के अधिकारी भी प्रमुख रुप से उपस्थित थे। इसके पूर्व जबलपुर से आते समय नरसिंहपुर जिले की सीमा के अंतर्गत कुम्हरोढा तथा रोंसरा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तथा देवरी आंगनबाड़ी केंद्रों का भी निरीक्षण किया।